नवम्बर–2020 मासिक पंचांग

संवत् 2077, शक संवत् 1942, हेमंत ऋतु, रवि दक्षिणायने, कार्तिक कृष्ण पक्ष

दि.	वार	तिथि	घंटा-मिनिट	नक्षत्र	घंटा-निट	राशि चन्द्रमासमय....	व्रत-पर्व-त्यौंहार.....
1.	रवि	1	22-49	भरणी	20-46	मेष 27-40 तक	
2.	सोम	2	25-13	कृतिका	23-49	वृषभ	
3.	मंगल	3	27-24	रोहिणी	26-29	वृषभ	
4.	बुध	4	29-14	मृगशीर्ष	28-50	वृषभ 15-42 तक	करवा चौथ
5.	गुरु	5	30-36	आर्द्रा	30-44	मिथुन	
6.	शुक्र	6	पूर्ण	पुनर्वसु	पूर्ण	मिथुन 25-47 तक	
7.	शनि	6	07-23	पुनर्वसु	08-04	कर्क	
8.	रवि	7	07-29	पुष्य	08-44	कर्क	रविपुष्य, कालाष्टमी, अष्टमीपूजा
9.	सोम	9	29-27	आश्लेषा	08-41	कर्क 08-41 तक	
10.	मंगल	10	27-22	मघा	07-55	सिंह	
11.	बुध	11	24-40	उ.फाल्गुनी	28-24	सिंह 12-00 तक	रमा एकादशी व्रत
12.	गुरु	12	21-30	हस्त	25-54	कन्या	गौवत्स द्वादश
13.	शुक्र	13	17-59	चित्रा	23-05	कन्या 12-31 तक	धनतेरस
14.	शनि	14	14-17	स्वाति	20-08	तुला	रुप चतुर्दशी, दीपावली पूजा
15.	रवि	30	10-36	विशाखा	17-15	तुला 11-57 तक	अन्नकूट-गोवर्धन पूजा
				द्वितीय आश्विन शुक्ल पक्ष			
16.	सोम	1.	07-06	अनुराधा	14-35	वृश्चिक	भाईदूज-चित्रगुप्त पूजा
17.	मंगल	2.	25-17	ज्येष्ठा	12-20	वृश्चिक 12-20 तक	
18.	बुध	3.	23-16	मूला	10-39	धनु	
19.	गुरु	4.	21-59	पू. षाढ़ा	09-37	धनु 15-29 तक	सौभाग्य लाभ पंचमी
20.	शुक्र	5.	21-29	उ. षाढ़ा	09-21	मकर	सूर्यषष्ठी-छठपूजा
21.	शनि	6.	21-48	श्रवण	09-52	मकर 22-25 तक	
22.	रवि	7.	22-51	धनिष्ठा	11-08	कुम्भ	गोपाष्टमी-गौ सेवा संकल्प
23.	सोम	8.	24-32	शतभिषा	13-04	कुम्भ	अक्षय आंवला नवमी
24.	मंगल	9.	26-42	पू.भाद्रपद	15-31	कुम्भ 08-51 तक	
25.	बुध	10.	29-10	उ.भाद्रपद	18-19	मीन	देवप्रबोधिनी एकादशी
26.	गुरु	11.	पूर्ण	रेवती	21-19	मीन 21-19	
27.	शुक्र	12.	07-46	अश्विनी	24-22	मेष	प्रदोष व्रत
28.	शनि	13.	10-21	भरणी	27-18	मेष	वैकुण्ठ चतुर्दशी
29.	रवि	14.	12-47	कृतिका	30-02	मेष 10-00	
30.	सोम	15.	14-59	रोहिणी	पूर्ण	वृषभ	कार्तिक पुर्णिमा, श्री पुष्कर स्नान

नोट– यह स्टेण्डर्ड टाईम के अनुसार पंचांग है। पूर्णिमा को 15 एवं अमावस को 30 दर्शाया गया है। घंटा–मिनिट 24 बजे तक प्रदर्शित है। जो तिथि–नक्षत्र, चन्द्रमा अगली तारीख तक रहते हैं, उन्हें 24 बजे के बाद तक भी प्रदर्शित किया है। दोपहर के चार बजे को 16 एवं रात्रि के चार बजे को 28 बजे लिखा गया है, जिससे समझने में आसानी रहे। सभी अंक समाप्ति काल को दर्शाते हैं अर्थात् उक्त तिथी या नक्षत्र उस समय तक है। उसके पश्चात् अगली तिथि या नक्षत्र आरम्भ होगा। इस जानकारी का भी लाभ उठायें।

♦♦♦